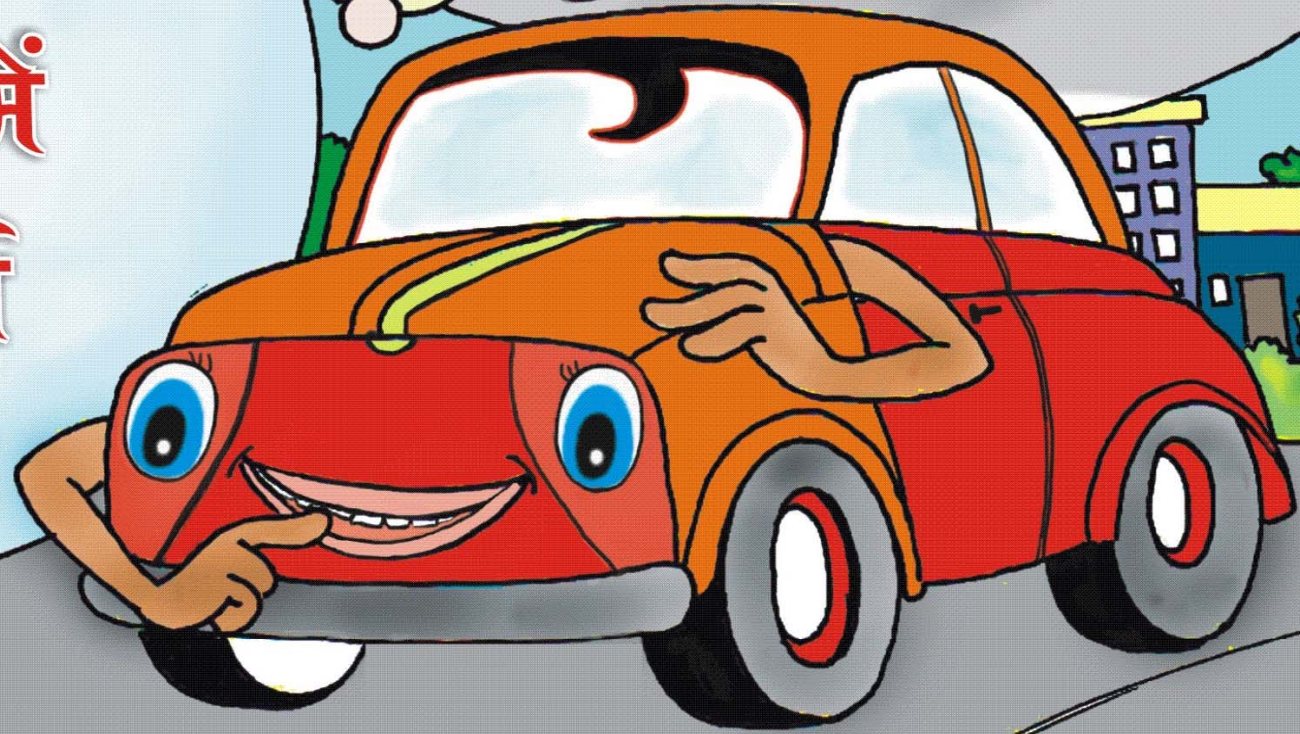
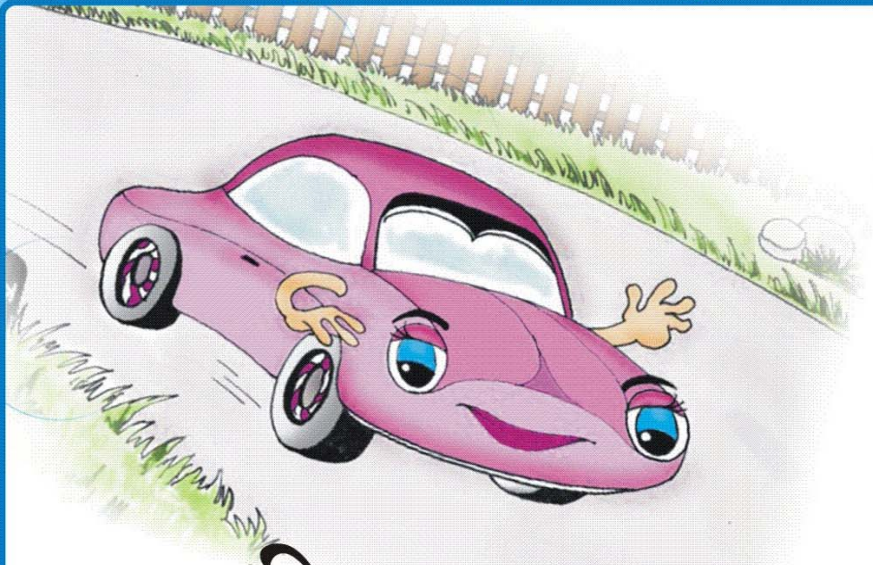


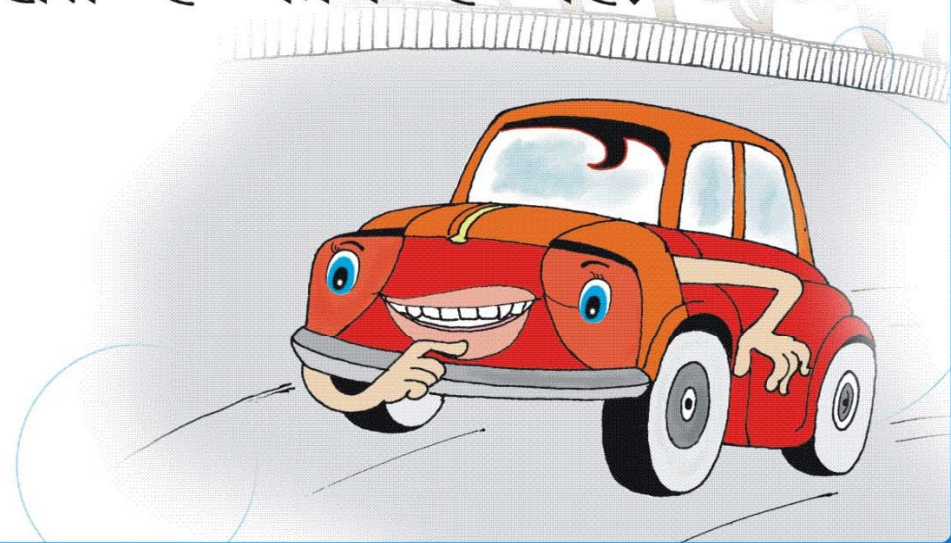
टियाना के
जीवन में
यू-टर्न

टकराव टालो-
कोमनसेन्स बढ़ाओ।

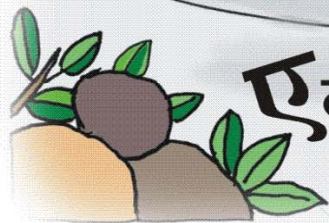
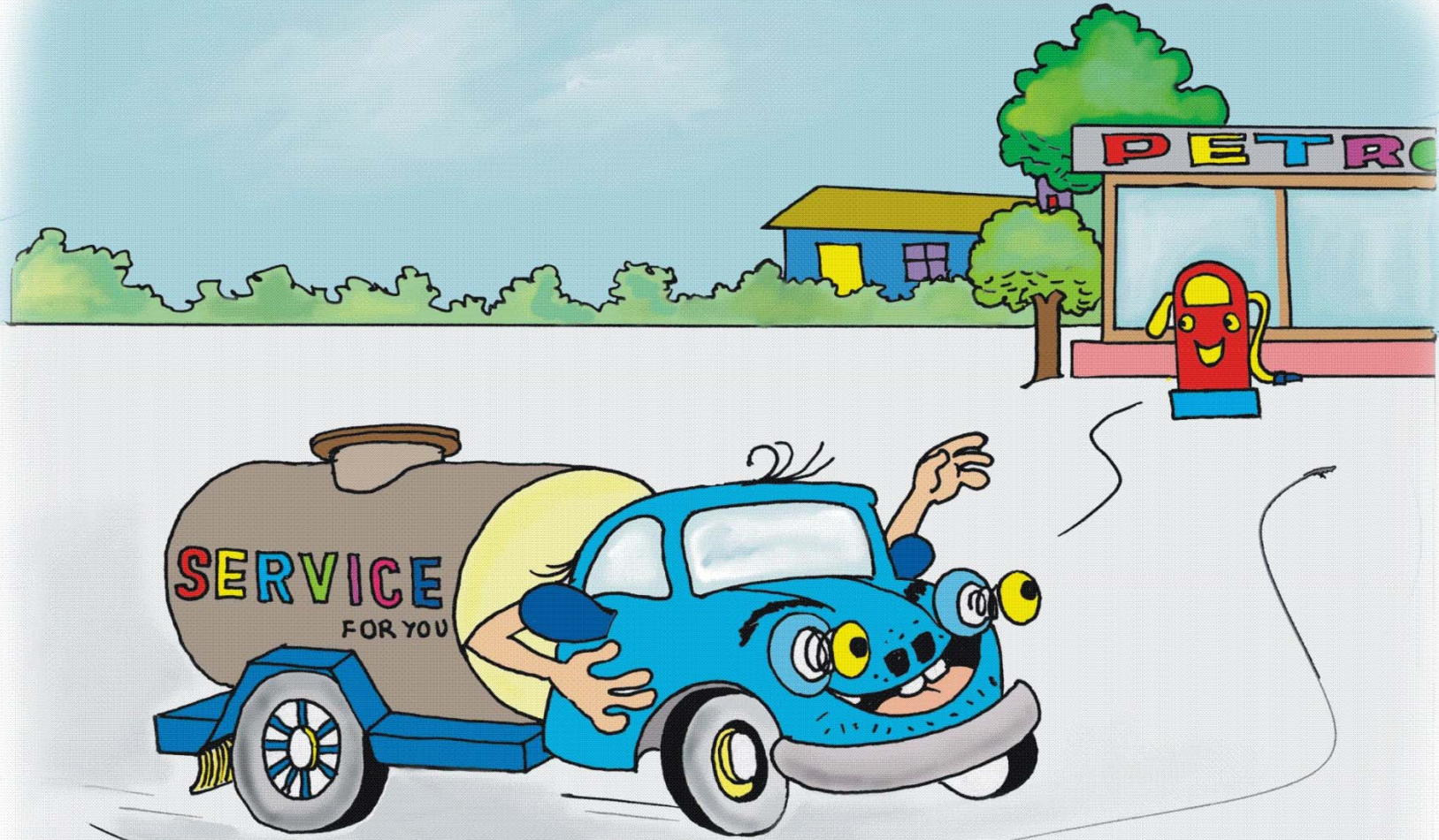




जिम्मी तो समझदार हो गई। अब टियाना किससे
शैतानी करे? अंत में उसे मस्ती करने के लिए कोई
मिल ही गया। चलो देखते हैं कौन है वह!



यह है वुबहर्टी बड़ा पेट्रोल टेन्कर।



एक शाम उसे बहुत भूख लगी थी। घर जाते हुए रास्ते में उसने पेट्रोल पंप देखा।

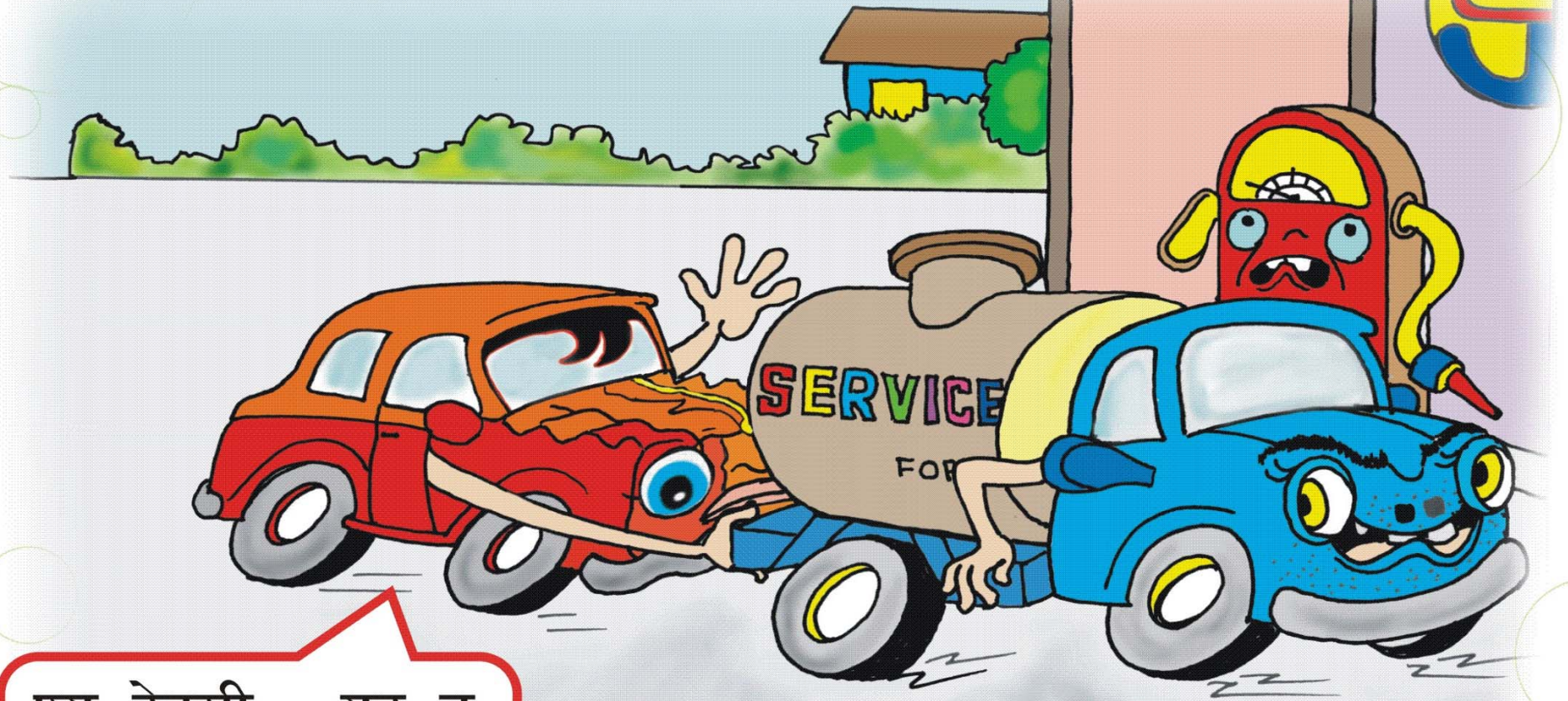
जैसे भरने के लिए वह लाइन में खड़ा हो गया। तभी टियाना भी वहाँ पेट्रोल भरने आई और बुबहर्ट के पीछे खड़ी रही। लेकिन टियाना को मस्ती किए बगैर कहाँ चलता?

एय टेक्सी, जल्दी आगे
बढो मैं जल्दी में हूँ।





बुबहर्ट को भूख की वजह से सिर दर्द हो रहा था।
उसमें टियाना ने उसे टेक्सी कहा इसलिए उसे गुस्सा
आया। वह थोड़ा पीछे होकर टियाना से धीरे से टकराया।



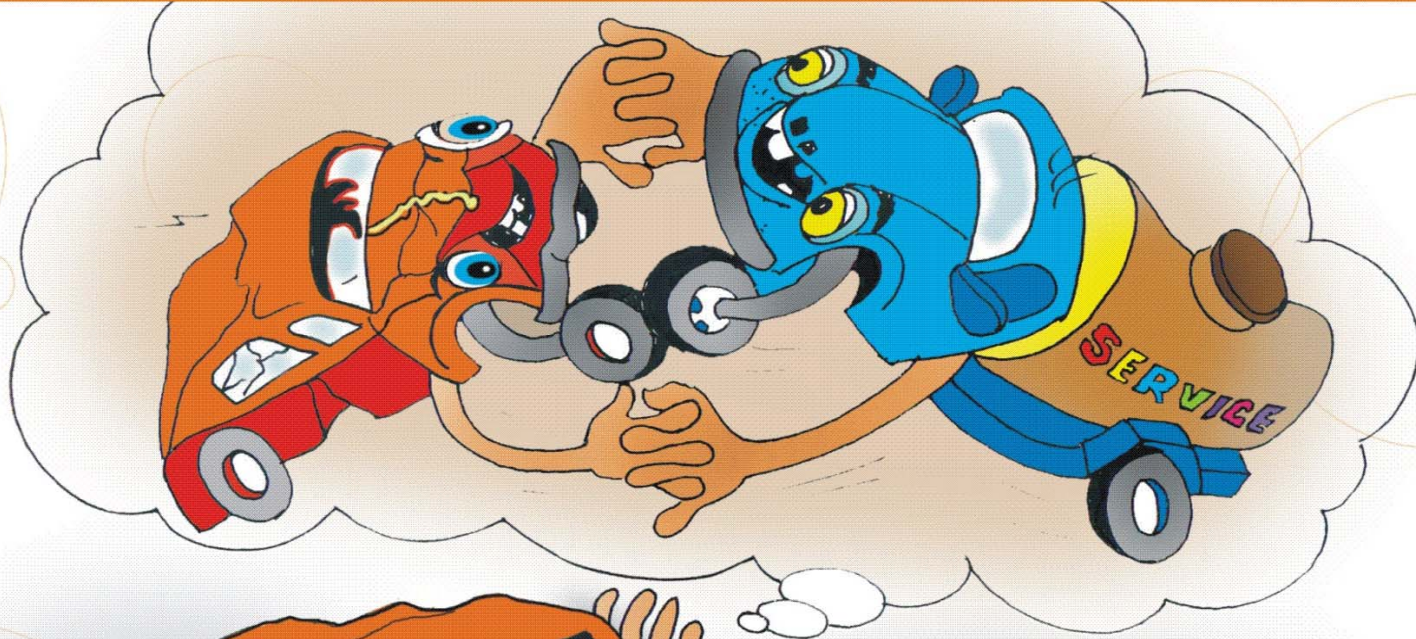
एय टेक्सी... यह तू
क्या कर रही हो?

इतने बड़े टेन्कर को टेक्सी कहने
की तेरी हिंमत कैसे हुई? आ जा
सामने। देखते हैं कौन बलवान है।

आ जा सामने,
देखते हैं कि
कौन जीतता है।

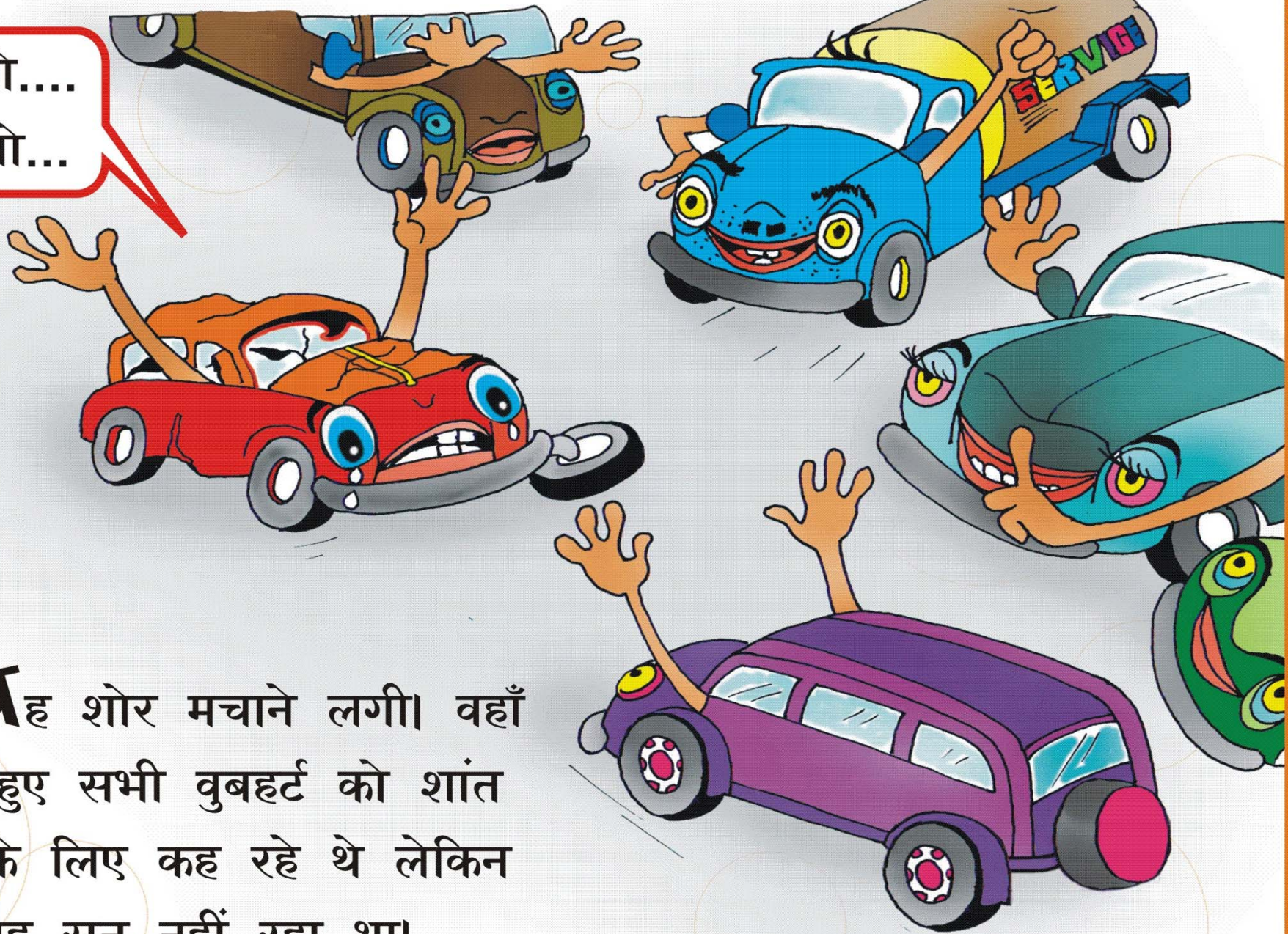
सभी वाहनों
ने उसे समझाया
लेकिन वह नहीं
मानी। दोनों
वाहन एक-दूसरे
से ज़ोर-ज़ोर से
टकराने लगे।





टियाना की हेड लाइट टूट गई। उसे कई जगह पर
चोट आई। वह बुबहर्ट का कुछ भी नहीं बिगाड़ सकी।

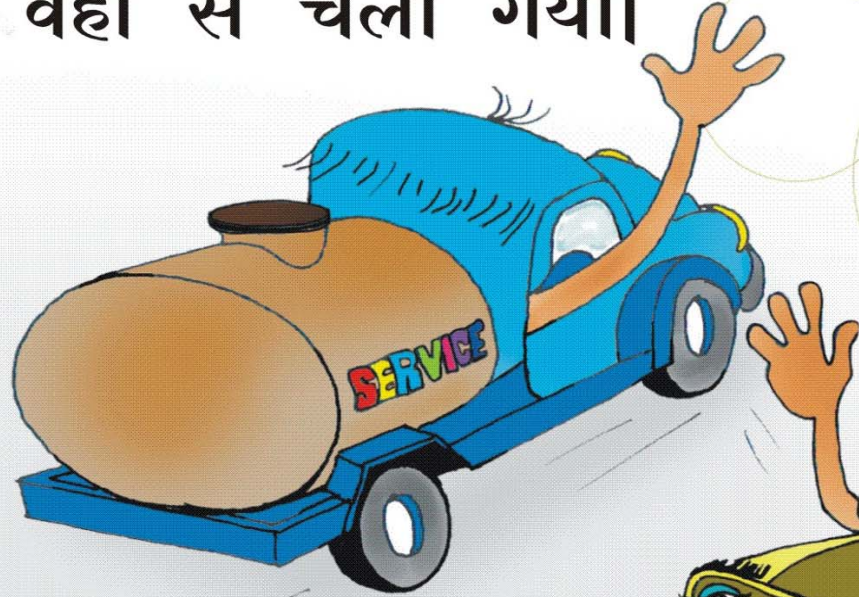
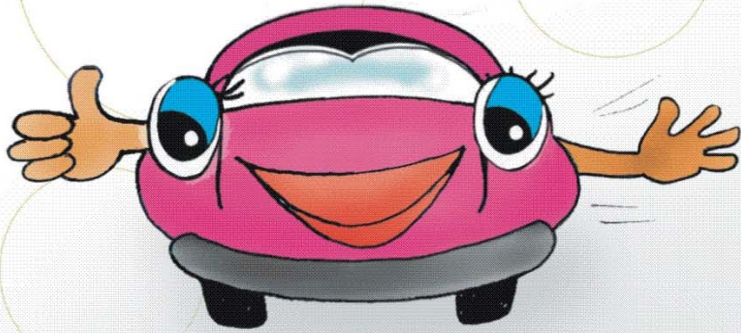
बचाओ....
बचाओ...



वह शोर मचाने लगी। वहाँ
खड़े हुए सभी वुबहर्ट को शांत
होने के लिए कह रहे थे लेकिन
वह सुन नहीं रहा था।

तब तक जिम्मी आई। उसने यह देखा। उसने तुरंत वुबहर्ट से कहा, "दोस्त, किसी को परेशान करके आनंद लेना उसमें कोई बहादुरी नहीं है और कमजोर को कुचलना उसमें कोई बहादुरी नहीं है। किसी भी संयोग में हम आनंद में रह सकें उसमें बहादुरी है। अब कहो कौन बहादुर है।"

यह सुनकर वुबहर्ट तुरंत रुक गया। "सोरी" कहकर
वह चुपचाप वहाँ से चला गया।



जिम्मी की झगड़ा रुकवाने की सूझ पर सभी शाबाशी देने लगे। उसने कुछ लोगों को टियाना को अंकल हेनरी के गेरेज पर ले जाने के लिए मदद करने को कहा। सभी जिम्मी के कहे अनुसार करने लगे।

टियाना अंकल हेनरी के गेरेज पर पहुँची। उसे काफी चोट आई थी। जिम्मी ने अंकल से टियाना का परिचय करवाया। अंकल ने बहुत प्रेम से उसकी जाँच-पड़ताल करना शुरू किया।

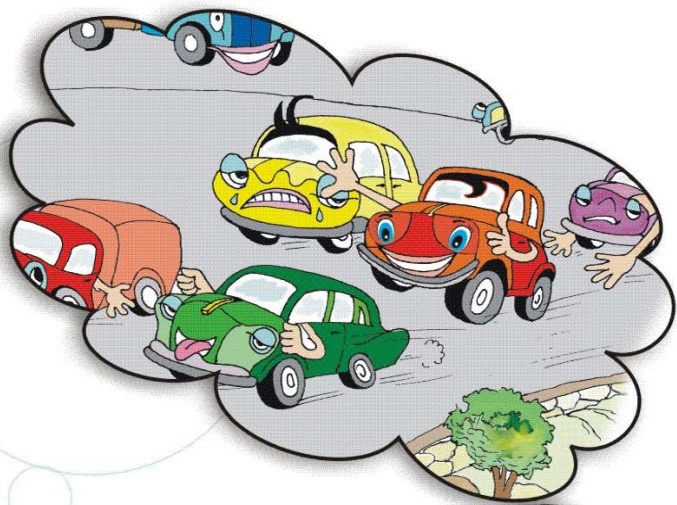


जिम्मी वहाँ सभी से हँसकर बातें कर रही थी। टियाना की नज़र जिम्मी की नंबर प्लेट पर पड़ी। उस पर लिखा था,...

‘टकराव टालो-कोमनसेन्स बढ़ाओ’

यह पढ़कर टियाना को प्रश्न हुआ, "टकराव टाल ने से कोमनसेन्स कैसे बढ़ती होगी?" लेकिन उसे तुरंत ही ध्यान आया कि किसी से भी शांत नहीं पड़नेवाला बुबहर्ट जिम्मी की बात से तुरंत ही कितना शांत हो गया।

उसे अपने जीवन की पहले की सारी घटनाएँ याद आ गईं।

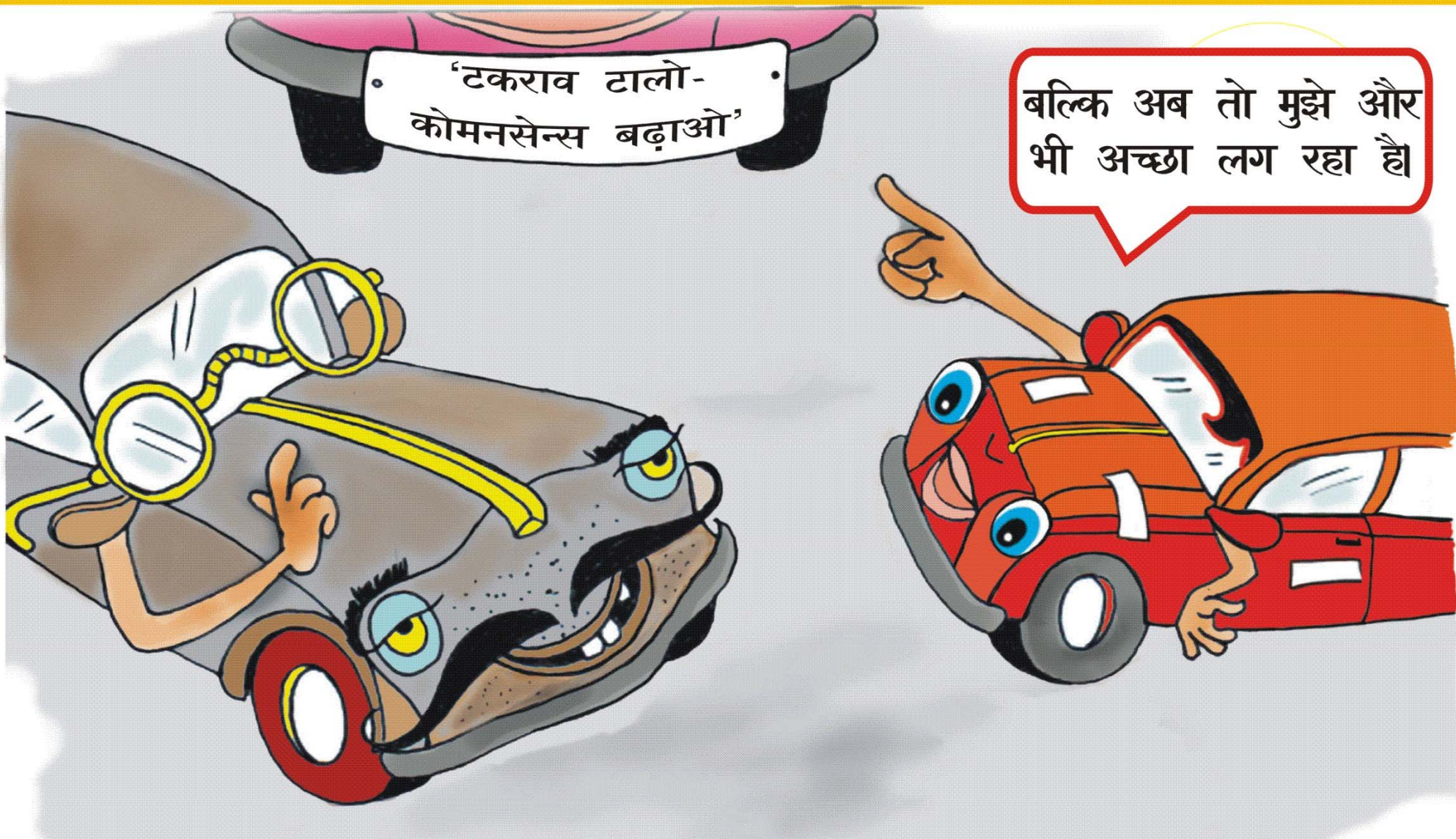


उसकी समझ में आ गया "हाँ रे, पहले जिम्मी भी कितनी अकुला जाती थी और झगड़ा करने लगती थी लेकिन आज वह कितनी बदल गई है! किसी भी प्रकार के संयोगों में टकराव टालकर आनंद में रहना उसे कैसा आता है!"



तभी हेनरी ने उसे हिला दिया

कहाँ खो गई बेटा? अब तुम्हें अच्छा लग रहा है?



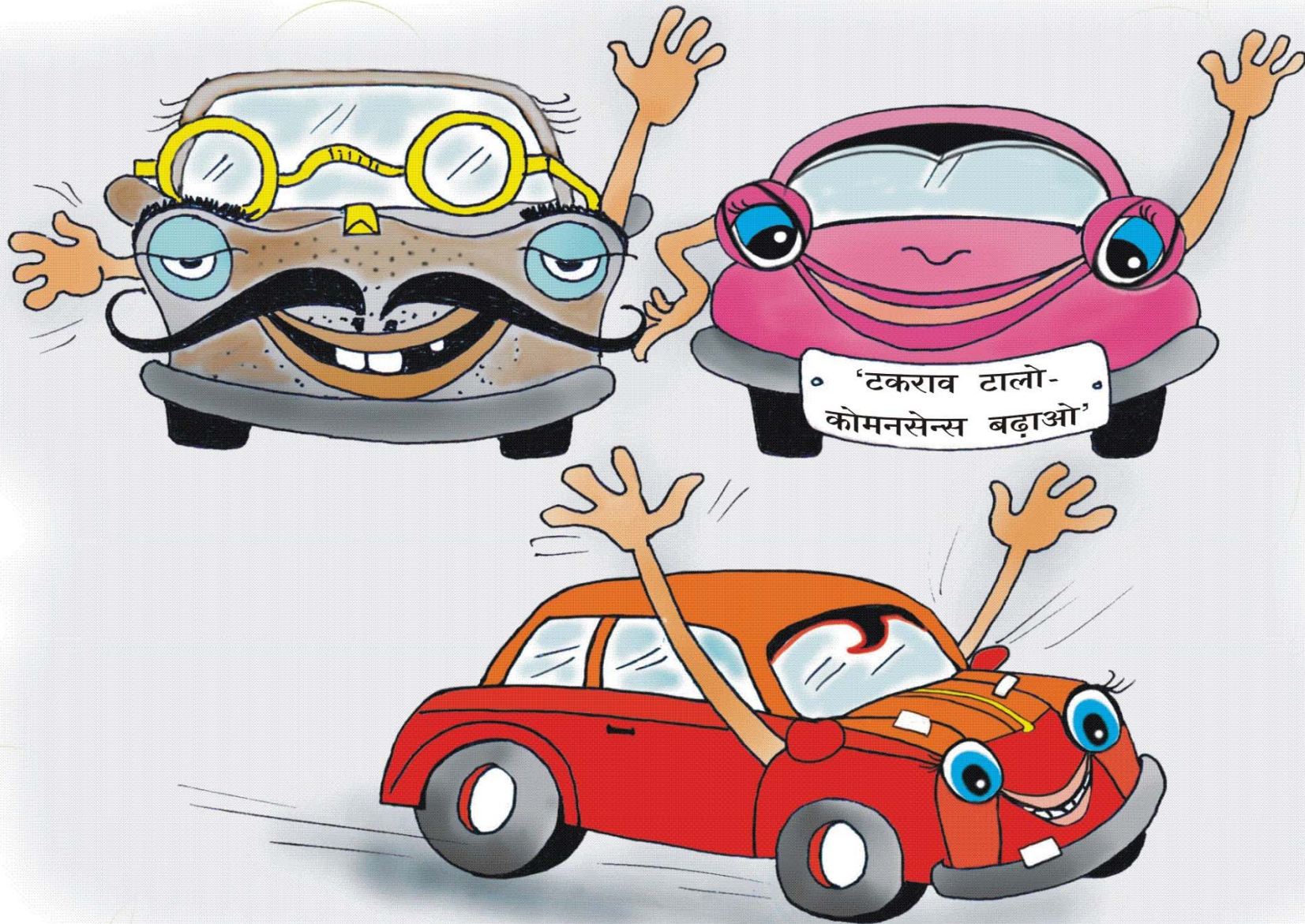
‘टकराव टालो-
कोमनसेन्स बढ़ाओ’

बल्कि अब तो मुझे और
भी अच्छा लग रहा है

ऐसा कहकर वह जिम्मी की नंबर प्लेट की ओर
उँगली दिखाकर हँसने लगी।

जिम्मी की नंबर प्लेट पढ़कर अंकल हेनरी समझ गए।
उन्होंने तो टियाना को थपथपाते हुए कहा, "जब जागे तभी
सबेरा। 'टकराव टालो' वास्तव में सुखी जीवन जीने की चाबी है।"





टियाना ने हँसते-हँसते नए जीवन की शुरुआत की।

बुक-२

‘कार’दून कहानियाँ

